बरेली, मंगलवार
31 अगस्त, 2023
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 24

दैनिक जागरण

PAGE NO, 03 MIDDLE LEFT

थिएटर फेस्टिवल : एसआरएमएस रिद्धिमा कला केंद्र में सात दिवसीय थिएटर फेस्टिवल इंद्रधनुष-3 में नाटक मंचन सायं चार बजे।

PAGE NO 08, BOTTOM

इश्क में इतने फितरे हैं...मौला मजहब हार गया

जागरण संवाददाता, बरेली : अंधेरा छंटता है। सामने दो यहूदी शहजादी सपनों के राजकुमार मारकस को याद करते हुए सुर से सुर मिला रही हैं, नजरें चांद पर हैं। लाइट गुल। अब सामने है 44वीं ईसा पूर्व रोमन और यहूदियों के बीच चल रही तकरार। यहूदी अजरा की जान लेने के लिए रोमन सेनापति ब्रूटस तलवार तान रहा है और सामने बेटी राहिल अपने पिता के प्राण के लिए गिड़गिड़ा रही है। तभी शहजादा मारकस मुंह पर नकाब बांधे हुए ब्रूटस हमला करके यहूदी अजरा को रिहा कर देता है। रोमन सेना चकित। यह दृश्य है सोमवार को एसआरएम रिद्धिमा प्रदर्शन एवं ललित कला केंद्र में चल रहे इंद्रधनुष-3 थिएटर फेस्टिवल में हुए नाटक यहूदी की लड़की का है।

शनिवार को थिएटर फेस्टिवल के छठे दिन अखिलेश नारायण द्वारा

रिद्धिमा में नाटक यहूदी की लड़की का मंचन करते कलाकार। सौ. एसआरएमएस

निर्देशित इस प्रसिद्ध पारसी नाटक का मंचन हुआ। यहूदी लड़की राहिला पिता की जान बचाने वाले रोमन शहजादे मारकस से इंतेहा मुहब्बत करती है, लेकिन दोनों के बीच उनका मजहब दीवार बनकर खड़ा है। दोनों पिता के पास अपनी सच्ची मुहब्बत का जिक्र करते हैं। काफी विरोध के बाद अजरा तैयार हो जाता है और खुश होकर दोनों को गले लगाते हुए कहता है इश्क में इतने फितरे हैं, कि मौला मजहब हार गया। तभी यह शहजादा मारकस को रोमन धर्म छोड़ने का निर्देश देता है, शहजादा इंकार कर देता है। वह राहिला को छोड़कर जाने लगता है, तभी अजरा उसे कोसते हुए बद्दुआ देता है। मारकर राहिल को छोड़कर रोमन डैशिया से शादी करने को तैयार हो जाता है। राहिला मारकस की शादी में पहुंच जाती है और मजहबी अदालत में बादशाह से इंसाफ मांगती है। तभी रोमन शहजादी डैशिया मारकस की जान बख्शने के लिए राहिला के पास जाती है। राहिला उनकी जान बख्श देती है। कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि खानकाहे नियाजिया के प्रबंधक शब्बू मियां ने किया। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के चेयरमैन देव मूर्ति, डाक्टर अनुज कुमार सहित तमाम लोग मौजूद रहे।